नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

नेपाल : नई सरकार से बेहतर संबंधों की उम्मीद

नेपाल के हाल ही में संपन्न आम चुनाव केवल एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह दक्षिण एशिया की राजनीति में एक बड़े युग परिवर्तन का संकेत भी हैं. दशकों से नेपाली राजनीति पर हावी पुराने राजनीतिक परिवारों और स्थापित दलों के वर्चस्व को इस चुनाव ने निर्णायक चुनौती दी है. इन चुनावों में सबसे बड़ा राजनीतिक उभार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) का रहा है, जिसके युवा नेता बालेंद्र शाह (बालेन शाह) ने न केवल अपनी पार्टी को ऐतिहासिक जीत की ओर पहुंचाया है, बल्कि नेपाली राजनीति की दिशा भी बदल दी है. महज 35 वर्ष की उम्र में वे नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने की दहलीज पर हैं.

दरअसल, 2025 के 'जेन जी' छात्र आंदोलनों ने नेपाल के राजनीतिक वातावरण को पहले ही बदल दिया था. युवाओं ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सत्ता के केंद्रीकरण के खिलाफ व्यापक असंतोष व्यक्त किया था. इस आंदोलन की ऊर्जा ने चुनावी राजनीति को प्रभावित किया और परिणामस्वरूप एक नई पीढ़ी के नेतृत्व को जनता का समर्थन मिला.भारत के लिए नेपाल का यह राजनीतिक परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण है. ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक रूप से दोनों देशों के संबंध गहरे और बहुआयामी रहे हैं. लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों में उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला है. नई सरकार की सोच यह संकेत देती है कि नेपाल अब स्वयं को केवल भारत और चीन के बीच एक 'बफर स्टेट' के रूप में नहीं देखना चाहता, बल्कि वह दोनों शक्तियों के बीच एक 'वाइब्रेंट ब्रिज' की भूमिका निभाने का इच्छुक है. इसका अर्थ यह है कि नेपाल आर्थिक हितों और विकास के आधार पर संतुलित विदेश नीति अपनाना चाहता है.

बालेंद्र शाह की राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू उनका व्यवहारिक दृष्टिकोण है. एक इंजीनियर होने के कारण उनकी प्राथमिकता नीतिगत घोषणाओं के बजाय ठोस परिणामों पर केंद्रित है. भारत के लिए यह अवसर भी हो सकता है. जलविद्युत, सीमा पार कनेक्टिविटी, डिजिटल भुगतान प्रणाली और स्टार्टअप सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं. यदि नई सरकार इन परियोजनाओं को गति देती है तो भारत-नेपाल संबंधों को नई ऊर्जा मिल सकती है.

हालांकि इस नई राजनीति के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं. बालेंद्र शाह अपनी प्रखर राष्ट्रवादी छवि के लिए जाने जाते हैं. अतीत में 'ग्रेटर नेपाल' मानचित्र और भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया था. यह दर्शाता है कि नई पीढ़ी का राष्ट्रवाद भावनात्मक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील भी हो सकता है. ऐसे में भारत को अपने दृष्टिकोण में संवेदनशीलता और परिपक्वता दिखानी होगी.

चीन का कारक भी इस समीकरण में महत्वपूर्ण रहेगा. नेपाल की नई पीढ़ी किसी एक शक्ति के प्रभाव में रहने के बजाय स्वतंत्र विदेश नीति की पक्षधर दिखाई देती है. इसलिए भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति को केवल कूटनीतिक घोषणाओं तक सीमित न रखे, बल्कि नेपाल के विकास में एक वास्तविक साझेदार के रूप में सामने आए.

दरअसल,नेपाल का यह चुनाव परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन नहीं है, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन का संकेत है.भारत के लिए यह समय नेपाल के साथ संबंधों को नए विश्वास और बराबरी के आधार पर आगे बढ़ाने का है. यदि दोनों देश इस अवसर को समझदारी से साधते हैं, तो हिमालय की यह साझेदारी आने वाले वर्षों में पूरे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि का आधार बन सकती है. कुल मिलाकर यह आशा की जा सकती है कि नेपाल की नई सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध रखेगी.

चीनी शस्त्रों पर भरोसा ईरान को महंगा पड़ा

चीनी हथियारों के घटिया होने के जो प्रमुख कारण समझ में आते हैं उनका रिवर्स इंजीनियर्ड होना, खराब विनिर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण का कमजोर होना, अपर्याप्त परीक्षण और हथियार को सस्ता करने के चक्कर में उसकी सक्षमता से समझौता है. चीन जिन देशों को हथियार बेचता है वे पाकिस्तान, अल्जीरिया, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, इराक, सऊदी अरब, मिस्त्र और उज्बेकिस्तान, सेनेगल, वेनेजुएला और बोलीविया मोरक्को, म्यांमार, सर्बिया और यूएई वगैरह युद्ध जैसी परिस्थितियों में उसकी वास्तविक क्षमता कम ही परख पाते हैं.

मीडिया में ईरान के चीनी हथियारों की विफलता का शोर है, विशेषज्ञ इसे ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान और वेनेजुएला में मिली असफलता से जोड़ रहे हैं, क्या वाकई चीन अपने हथियार निर्माण और उसके बाजार में बुरी तरह पिछड़ रहा है या यह प्रचार अमेरिकी लॉबी की चाल है? हाल ही में अमेरिका इजराइल से ईरान के संघर्ष में चीनी हथियारों की विफलता विफलता दिखाई दी जब पिछले दो महीने पहले ही डिलिवर हुआ नया नकोर चीनी एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-9 अमेरिकी मिसाइलों को रोक नहीं पाया. चीनी एयर डिफेंस सिस्टम उम्मीदों पर कतई खरे नहीं उतरे. कंबोडिया में चाइनीज लाइट मशीन गन का बार-बार जाम होना.

बांग्लादेश के एफ-7 जेट्स, मुख्य युद्धक टैंक-2000 और फ्रिगेट्स में रडार तथा इंजिन में खराबी पाया जाना. पाकिस्तान के एचक्यू9 पी, एचक्यू 16 सैम सिस्टम और वाईएलसी 8ई रडार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों के आगे नाकाम रहना इसकी मिसाल है. म्यांमार के चीनी जेएफ-17 जेट्स ढांचे में दरारें पाये जाने से ग्राउंड करने पड़े. नाइजीरिया के एफ-7 बार-बार क्रैश हुए तो उसने बचे विमानों को चीन को लौटा दिया. चीनी मिसाइलें बहुधा लक्ष्य से भटकती दिखीं, तो ड्रोन बिना अपने लक्ष्य पर पहुंचे टपकते रहे. चीनी हथियारों के घटिया होने के जो प्रमुख कारण समझ में आते हैं- उनका रिवर्स इंजीनियर्ड होना, खराब विनिर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण का कमजोर होना, अपर्याप्त परीक्षण और हथियार को सस्ता करने के चक्कर में उसकी सक्षमता से समझौता है.

चीन जिन देशों को हथियार बेचता है वे पाकिस्तान, अल्जीरिया, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, इराक, सऊदी अरब, मिस्त्र और उज्बेकिस्तान, सेनेगल, वेनेजुएला और बोलीविया मोरक्को, म्यांमार, सर्बिया और यूएई वगैरह युद्ध जैसी परिस्थितियों में उसकी वास्तविक क्षमता कम ही परख पाते हैं. चीन ने खुद 1979 के बाद से कोई बड़ा युद्ध नहीं लड़ा. उसकी आधुनिक प्रणालियां वास्तविक युद्ध में परखी नहीं गई जबकि अमेरिकी और यूरोपीय हथियार लगातार परखे जाते रहे हैं. चीन के हथियार अगर इतने बेकार हैं तो बिकते क्यों हैं? चीन दुनिया का चौथा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक कैसे बना हुआ है? असल में चीनी हथियारों को कई विकासशील देश इसलिये खरीदते हैं क्योंकि ये उनके बजट के अनुकूल या सस्ते होते है, कई बार तो पश्चिमी या यूरोपीय हथियारों से आधे दाम में मिलते हैं.

पाकिस्तान अगर चीनी पीएल 15 मिसाइलें और एचक्यू-9 एयर डिफेंस की जगह अमेरिकी पैट्रियट या यूरोपीय मेटियोर खरीदत्ता तो उसे दुगने दाम देने पड़ते. बांग्लादेश जैसे देशों को वह सॉफ्ट लोन, कम ब्याज और लंबी अवधि वाली किश्तों पर हथियार बेच देता है तो ईरान को तेल के बदले हथियार बेच देता है. हमारे आसपास चीनी हथियारों की भरमार है. पाकिस्तान के पास जीएफ-17, एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणाली और चीनी ड्रोन हैं तो बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका में भी चीनी नौसैनिक प्लेटफॉर्म मौजूद हैं. हिंद महासागर में चीनी मूल के पोत और पनडुब्बियां दीर्घकालिक चुनौती बनी हुई हैं इसके अलावा म्यांमार भी चीनी हथियार रखता है.

भारत के पास चीनी कैरियर किलर और डीएफ26, वाईजे-21 हाइपरसोनिक, पीएल-17 बीवीआर मिसाइलों और बड़े पैमाने की ड्रोन-उत्पादन क्षमता का फिलहाल कोई काट नहीं. उसके जे-20 स्टील्थ फाइटर और डीएफ-जेड एफ ग्लाइडर भी हमारे लिए बड़ी चुनौती हैं.

-संजय श्रीवास्तव

विंध्य की डायरी

जिला योजना समिति बनाम जिला विकास समिति

डॉ. रवि तिवारी

प्रदेश में अधिकारों के विकेंद्रीकरण की बयार में जिला सरकार का सिद्धांत को वर्षों पहले अमल में लाया गया था. इसी समिति के माध्यम से जिला योजना का निर्माण किया जाता था. पिछली सरकारों ने अधिकारों के विकेंद्रीकरण की इस मुहिम को पलीता लगाते हुए पूर्व में दिए अधिकारों को धीरे-धीरे न सिर्फ वापस ले लिए हैं बल्कि अब जिला योजना समिति के अस्तित्व को समाप्त कर जिला विकास समिति के नए प्रावधानों को लागू कर दिया है. निचले स्तर में विकास कार्यों के चयन और प्राथमिकता के मद्देनजर गठित की गई समितियां विन्ध्य के कुछ जिलों में अपना स्वरूप तय कर चुकी हैं, पर अभी भी कुछ जिलों में समितियों के गठन की घोषणा शेष है. विकास कार्य कब तय होंगे यह आने वाला समय बताएगा, लेकिन करीब-करीब यह तय हो चुका है कि आने वाले समय मे सत्तारूढ़ दल जिसे चाहेगी वही नेता समाज जीवन के क्षेत्र में काम कर सकेगा शेष पंचायतीराज और नगरीय निकाय से सामने आने वाले जनप्रतिनिधियों का कोई अस्तित्व नहीं रहेगा. जेबी नेताओं को अवसर देने की नियत से जो परिवर्तन किए हैं उनके कारगर होने को लेकर अभी से संदेह होने लगा है. देखने में आया है कि पहले लोकतांत्रिक ढंग से सदस्य चुनने की परंपरा को समाप्त कर सदस्यों के मनोनयन का निर्णय लिया है. इससे ऐसे नेता जिन्हें पार्टी या संगठन का दायित्व नही दिया जा सकता उन्हें विकास समिति में खपा कर संतुष्ट कराने का प्रयास किया जा रहा है.

....जब टूट गया मंच

सिंगरौली में होली मिलन समारोह के दौरान जब अचानक मंच टूट गया. जिला अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता नीचे गिर गये. हालाकि किसी को गंभीर चोट नही आई, अफरा-तफरी जरूर मच गई. दरअसल बीजेपी कार्यकर्ताओं ने होली मिलन समारोह रखा था जिसमें विधायक के साथ जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल शाह भी शामिल हुए और जब जिलाध्यक्ष ने मंच से अपना सम्बोधन शुरू किया तभी अचानक भरभरा कर मंच टूट गया. उसके बाद जमकर ठहाके लगे. गनीमत रही कि जिलाध्यक्ष सहित सभी सुरक्षित रहे, हल्की चोट जरूर आई है. मंच टूटने का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया में डाल दिया. मजे की बात तो यह है कि मंच टूटने के तत्काल बाद जिलाध्यक्ष करंट की गति से भी तेज खड़े हुए और अपना सम्बोधन शुरू कर दिया.

महापौर और आयुक्त के बीच बढ़ा टकराव

नगर पालिक निगम सिंगरौली में सब कुछ ठीक ठाक नही चल रहा है. यहा महापौर और आयुक्त के बीच टकराव कम होने का नाम नही ले रहा है. वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को समय पर प्रस्तुत न किये जाने को लेकर महापौर रानी अग्रवाल ने नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक लापरवाही कहा है. दरअसल गत माह हुई विशेष बैठक के दौरान महापौर एवं आयुक्त के बीच आरोप-प्रत्यारोप के साथ बात बढ़ गई थी. माना जा रहा है कि उसी नाराजगी को भुनाने के लिये आयुक्त पर महापौर ने फिर बजट को लेकर निशाना साधा है. इस विवाद से दोनो का भले ही कोई नुकसान न हो, लेकिन शहर का नुकसान जरूर हो रहा है. विकास की गतिविधिया प्रभावित हो रही है. आयुक्त पर लगातार महापौर निशाना साध रही है जिससे यह टकराव कम होने के बजाय और बढ़ता जा रहा है. मौजूदा हालात ठीक नही है पार्षदो के साथ भी बेहतर तालमेल महापौर के नही बन पा रहे है. विपक्षी पार्षद कामकाज को लेकर पहले से ही सवाल उठाते रहे है.

यूपीएससी में विंध्य का दबदबा

विंध्य प्रतिभाओं की खान है यहा की प्रतिभाए हर क्षेत्र में लोहा मनवाती रही है. हर क्षेत्र में विंध्य के लोगो ने अपना झंडा गाड़ा है इस बार यूपीएससी के आए परीक्षा परिणाम में विंध्य का दबदबा रहा है. मऊगंज की समीक्षा ने 56 वीं रैंक हासिल की. वही सतना के यशवर्धन और भूमिका ने भी जिले का नाम रोशन किया है. ऊर्जाधानी के सुमित ने 746 वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है. कड़ी मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पित भाव से किये गये मेहनत का परिणाम है कि यूपीएससी में विंध्य के होनहार युवा अपना स्थान बनाने में सफल रहे. विंध्य की यह वही माटी है जहा से निकले युवा आज देश के शीर्ष पदो पर है.

बजट किसानों पर कितना मेहरबान

महाराष्ट्र के किसानों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है. किसान आत्महत्या के आंकड़े इसके गवाह हैं. कपास का एक्सपोर्ट न होने से भाव गिर गए हैं. सोयाबीन उत्पादक अपनी बेहाली पर आंसू बहा रहे हैं. कर्ज का भारी बोझ और आर्थिक विपन्नता किसान की नियति बन गई है. ऐसी हालत में महाराष्ट्र के बजट में पात्र किसानों का 2 लाख रुपए तक का कर्ज माफ करने तथा नियमित कर्ज भुगतान करनेवाले किसानों को 50,000 रुपए की मदद देने की घोषणाएं पर्याप्त नहीं कही जा सकतीं. किसानों के हित में कुछ और ठोस प्रावधान किए जाने चाहिए थे. जहां तक बजट के अन्य प्रावधानों की बात है, लाडकी बहीण योजना चालू रहेगी लेकिन उसकी रकम नहीं बढ़ाई जाएगी. जांच पड़ताल के बाद बोगस नाम काटे जा चुके हैं. उपराजधानी नागपुर में महाराष्ट्र आरोग्य संस्थान की स्थापना उल्लेखनीय घोषणा है. शैक्षणिक विकास की दृष्टि से नवी मुंबई में एजुसिटी के लिए विश्वविद्यालयों से सहयोग लिया जाएगा. खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए क्रीडा संकुल के लिए विशेष निधि का प्रावधान किया गया है. 12 खेलों के राज्यस्तर पर केंद्र बनेंगे. महाराष्ट्र को डिजिटल राज्य बनाने का उद्देश्य है. इसी तरह साइबर सुरक्षा नीति बनाई जाएगी ताकि लोग डिजिटल अरेस्ट तथा ठगी से बच सकें. महाराष्ट्र का गौरव देश के अन्य स्थानों पर भी बढ़ाने के लिए पानीपत में मराठों का शौर्य स्मारक तथा आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाया जाएगा लेकिन यह नहीं पता कि अरब सागर में उनकी भव्य प्रतिमा बनाने की पुरानी योजना का क्या हुआ? महाराष्ट्र के ऐतिहासिक किलों की देखरेख व मरम्मत की जाएगी. नए तंत्रज्ञान से लोगों की सुरक्षा का वादा किया गया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र को नया औद्योगिक पावरहाउस बताया है तथा वित्तीय स्थिति मजबूत होने का दावा किया है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

दिल्ली जा रहे 'सुशासन बाबू' बीजेपी का बिहार पर काबू

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें चिंता है कि जब सुशासन बाबू कहलानेवाले नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य बनकर दिल्ली चले जाएंगे तब बिहार के सुशासन का क्या होगा?'

हमने कहा, 'किसी के चले जाने से काम नहीं अड़ता. परिवर्तन प्रकृति का नियम है. महाभारत काल में दु:शासन हुआ करता था. राजनीति में आज भी अव्यवस्था व कुशासन है. जिम्मेदार नेता शवासन लगाकर लेटे हुए हैं. योगासन लगानेवाले बाबा टॉप बिजनेसमैन बन गए हैं. लोग खुद नहीं सुधरते बल्कि प्रशासन को दोष देते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आप गोल-मोल बातें कर हमारा सवाल टाल रहे हैं. यह बताइए कि नीतीश मुक्त बिहार में भाजपा का क्या प्लान रहेगा? वह अपने अरमान किस तरह पूरा करेगी?'

हमने कहा, 'सबसे पहले तो बीजेपी वहां अपना सीएम बिठाएगी और नीतीश के बेटे निशांत को डिप्टी सीएम बना देगी. वहां बीजेपी के अनेक नेता मुख्यमंत्री बनने की तमन्ना रखते हैं जिनमें सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजय जायस्वाल, दिलीप जायस्वाल और जनकराम का समावेश है. बीजेपी किसी नए चेहरे को भी चान्स दे सकती है. उसने अन्य राज्यों में ऐसे प्रयोग किए हैं. मध्यप्रदेश से शिवराज को हटाकर मोहन की मुरलिया बजा दी. राजस्थान में वसुंधरा राजे को दरकिनार कर भाजपा ने भजनलाल शर्मा को भजन करने का मौका दिया. ओडिशा में मोहन चरण मांझी के हाथों में पतवार थमा दी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नीतीश की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को लालू परिवार के जंगल राज से मुक्ति दिलाई थी.'

हमने कहा, 'किसी को पदमुक्त करते समय उसकी ऐसी ही प्रशंसा करनी पड़ती है. फिलहाल नीतीश राज्यसभा के ढाई सौ सदस्यों में से एक बनकर रह जाएंगे. यह मत सोचना कि उन्हें उपप्रधानमंत्री जैसा कोई पद दिया जाएगा.' पड़ोसी ने कहा, 'बीजेपी ने जदयू से मित्रता निभाते हुए नीतीश को केंद्रीय मंत्री या उपराष्ट्रपति बनाने का वादा जरूर किया गया होगा तभी तो वह पटना छोड़कर दिल्ली की राह पकड़ रहे हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12191

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3	4	5	6
7		■	8				
9		10	■		■	■	
■	11		12		13	■	
14	■	15		■	16		
	■	■	17	18		■	■
19	20	■	21			22	■
23				■	24		

बाएं से दाएं

1. राह देखना, प्रतीक्षा करना, खोजना 3. मशाल लेकर चलने वाला 7. रोटी सेंकने का छिछला गोल बर्तन 8. पारिश्रमिक 9. नासमझ 11. रास्ता, मार्ग (उर्दू) 15. सुर्ख, एक रत्न 16. पति, स्वामी (उर्दू) 17. गुजर, निर्वाह 19. रामचंद्रजी के दो पुत्रों में से एक 21. चिकित्सालय 23. नष्ट करने वाला, भगाने वाला 24. मंत्री, शतरंज का एक मोहरा (उर्दू)

ऊपर से नीचे

1. वाहन-गाड़ी आदि चलाने के लिए उसके आगे घोड़े-बैल आदि पशु बांधना 2. जिसमें हवा आने-जाने के लिए खिड़कियां हो 3. सुरक्षित (उर्दू) 4. तड़क-भड़क, ठाट-बाट 5. बेल 6. मूंगफली 10. नौ बूटियों वाला ताश का पत्ता 12. एक रेशमी कपड़ा, फूल जैसे कोमल अंगो वाला (वाली) 13. किसी वस्तु या काम की देखरेख रखते उसे चालू रखना (मेंटेन) 14. उथल-पुथल करने वाला प्रयत्न, डोल 18. जिसमें पूरे के अतिरिक्त चौथाई और हो 20. अरबी, मेद 22. जर्मनी का राष्ट्रीय साम्यवादी दल जिसका नेता हिटलर था

Solution 12190

प्र	ति	ज्ञा	प	त्र	■	उ	च्च
ह	■	पि	ल्ला	■	बे	जा	■
स	त	त	■	ब	त	ला	ना
न	र	■	जु	ला	हा	■	म
■	ल	ह	र	■	शा	र	दा
उ	■	■	ना	म	■	ह	र
मं	थ	रा	■	■	दा	ब	■
ग	■	जी	न	त	■	र	बी

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनिश्चय की राजनीति का सामना करना होगा, व्यापार में विशेष परिश्रम करना होगा, स्वास्थ्य गड़गड़ रहेगा, चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष प्रयत्न करने से कार्यबनेगा, वर्ष के मध्य में यात्रा होगी, कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में अधिकारियों से मेलजोल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को विशेष चिकित्सा के क्षेत्र मेंसफ्लता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनेतिक अस्थिरता का सामना करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को स्थितियों से संयम सतर्कता रखना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक साहसी, निडर, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, कार्यकुशल, व्यक्तित्ववान होगा. बचपन में स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहेगा. अस्थिर बुद्धि का होगा. कभी उँटपटांग बात करने वाला होगा. विद्या प्रारंभ में कम तथा बाद में अच्छी रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

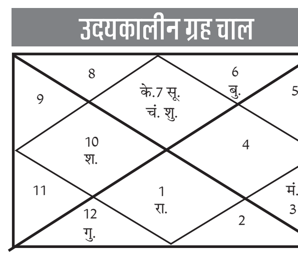

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2082 चैत्र कृष्ण षष्ठी चन्द्रवासरे रात 10/4, विशाखा नक्षत्रे दिन 3/11, व्याघात योगे प्रात: 6/54, गर करणे सू.उ. 6/9, सू.अ. 5/51, चन्द्रचार तुला दिन 8/35 से वृश्चिक, शु.रा. 8, 10, 11, 2, 3 ,6 अ.रा. 9, 12, 1, 4, 5, 7 शुभांक- 0, 3, 7.

त्यापार भविष्य

चैत्र कृष्ण षष्ठी को विशाखा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, उँनी वस्त्र, रूई, सूत, सन् के भाव में मंदी होगी. गुड़ खांड, शक्कर, के भाव मेंतेजी होगी. प्लास्टिक दाना, कागज, रबड़ में मंदी होगी, इसके बाद तेजी होगी. भाग्यांक-1428 है.

मेष- राजकीय समस्या का सरलता से समाधान होगा. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. मांगलिक कार्यो पर व्ययभार होगा. दूर की यात्रा होगी.

वृषभ- धार्मिक कार्यो में मानसिक सुख संतोष रहेगा. किये गये प्रयासों में लाभ सफ्लता मिलेगी. यश मिलेगा. अतिथि आगमन का योग है.

मिथुन- किसी विशेष व्यक्ति की मदद प्राप्त होगी. किसी कार्य से लाभ प्राप्त होगा. नवीन कार्य की योजना बनेगी. थकान महसूस करेंगे.

कर्क- क्रोध पर नियंत्रण रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. दूर गये मित्र के संबंध में सुखद एवं लाभदायक समाचार प्राप्त होगा. संदेश मिलेगा.

सिंह- कोर्ट कचहरी के कार्य बनेंगे. अधिकारियों से सीमित वार्तालाप करें. व्यय पर नियंत्रण रखकर कार्य करें. प्रयास करने पर सफ्लता मिलेगी.

कन्या- पड़ोसियों से संबंधों में सुधार होगा. रक्त संबंधियों से सहयोग मिलेगा. यात्रा में उद्देश्य पूर्ति होगी. सुख सहयोग और लाभ प्राप्त होगा.

तुला- आर्थिक प्रयासों में सफ्लता मिलेगी. पारिवारिक तनाव दूर होगा. दायित्वों की पूर्ति होगीं. जमकरजायजाद के कार्य सफ्ल होंगे.

वृश्चिक- लाभ कम, खर्च की अधिकता रहेगी. राजकीय कार्यो में सफ्लता प्राप्त होने का योग है. अपूर्ण समाचारों पर कोई भी निर्णय न लेना हितकर.

धनु- खानपान पर संयम रखें. कार्य की अधिकता रहेगी. सोचे हुये कार्य में अवरोध पैदा होगा. यात्रा में सावधानी रखकर कार्य करे. यश प्राप्त होगा.

मकर- भ्रमण मनोरंजन तथा आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी. दूर गये मित्र के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा. मान प्रतिष्ठा बढेगी.

कुम्भ- आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी. दिनचर्या नियमित रहेगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा. मांगलिक कार्य बनने का योग है.

मीन- आर्थिक संसाधन में वृद्धि होगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी. मानसिक संतुलन बना रहेगा. हर्षोल्लास प्राप्त होने का योग है.

SUDOKU 7323

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7322

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4